



इस साल भी जिले की समृद्ध नैसर्गिक संपदा से देश-प्रदेश को रूबरू कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन वन विभाग और डूंगरपुर बर्ड संस्थान की ओर से आठवें डूंगरपुर बर्ड फेयर का आयोजन किया गया.

बर्ड फेयर तहत रणसागर तालाब के किनारे जहां स्कूली बच्चों और बर्ड वॉचर्स ने परिंदों की अठखेलियों को निहारा तो पक्षी जगत से जुड़ी प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही.



दरअसल, डूंगरपुर जिले में पक्षियों के संरक्षण और स्कूली बच्चों को पक्षी जगत के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से खेड़ा पंचायत के रणसागर तालाब पर आठवें डूंगरपुर बर्ड फेयर का आयोजन किया गया. बर्ड फेयर में सरकारी और निजी विद्यालयों के 1 हजार के करीब विद्यार्थियों और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए बर्डवॉचर्स और आमजनों ने बर्ड वॉचिंग का लुत्फ उठाया.



प्रशासन द्वारा लगाए गए स्पॉटिंग स्कोप की सहायता से तालाब में जलक्रीड़ा करने वाले पक्षियों को देखा. इस दौरान प्रदेश की विभिन्न क्षेत्रों से आए एक्सपर्ट्स ने बच्चों को बर्डवॉचिंग करवाते हुए उनकी जिज्ञासा को शांत किया. इधर इस मौके पर विद्यार्थियों के लिए पक्षियों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई.

### **घना पक्षी अभ्यारण से की डूंगरपुर की तुलना**

बर्ड फेयर के तहत रणसागर तालाब में बर्ड वॉचिंग के दौरान प्रवासी पक्षियों की 30 से अधिक प्रजातियों को देखा. पक्षी विशेषज्ञ सुरेश पालीवाल

ने बताया कि बर्ड्स को लेकर डूंगरपुर जिले में काफी संभावनाएँ हैं। उन्होंने डूंगरपुर जिले की तुलना भरतपुर के घना पक्षी अभ्यारण से करते हुए बताया कि डूंगरपुर की आबोहवा की अनुकूलता और प्रदूषण शिकार नहीं होने से खतरे के निकट घोषित पक्षियों की कई प्रजातियाँ यहाँ बड़ी संख्या में देखी जा रही हैं, जो की पक्षी प्रेमियों के लिए खुशी की बात है। इधर बर्ड फेयर में आए स्कूली बच्चों ने भी बर्ड वॉचिंग का लुत्फ उठाया और पक्षियों के संरक्षण का संकल्प लिया।

### **पक्षी जगत के संरक्षण का संदेश आमजन को दिया**

इधर डूंगरपुर बर्ड फेयर का आनंद स्थानीय लोग, स्कूली बच्चों और बाहर से आये बर्ड वॉचर्स ने इस रंग-बिरंगे संसार को निहारा। साथ ही पक्षी जगत के संरक्षण का संदेश आमजन को दिया।